# **७७॥ वट मूर्य प्रमेय ता में सक्ट्रा प्रमिट्य मिर्या मिर्या में**

## थुयादर्स्या इदाविया

#### क्रिंग्यार्ग मिक्स्रेंग्ना वार पर्सेन प्रशा

यद्रक्रप्रमार्डिंग्व्री ल्टार्स्नेत्रप्रस्त्रप्रामुखर्की प्राप्त्रिया से द्वार्श्वेट पर्त्त्रा विपानि हें प्राप्तीया आसीयार्कित्र

### रटम् विष्ट्रमान्नियार्श्यविष्यम् विष्यम्

द्श्यन्तर्वित्वर्ध्वर्धवर्ध्वर्थान्तिः स्थायम् द्वाय्याय्याः स्थाय्याः स्थायः स्थाय्याः स्थायः स्यायः स्थायः स

यथा या से प्रमुन खुन पार्सुम्यासु मुखा वियाखन प्रमुन मुखा नर्देयासु मेन परी मन्या से माल्ट लेयाम्याया से एत्या रे त्या प्राययायाय से स्वाप्यया से राम्यया से राम्यया से राम्यया से राम्यया क्रमार्वेयानार्वेमन्तु नगदावियाची नचीनशासु र्येन्यार्श्वेगशाचीसासान्ध्रन्ति स् येग्रायिता सुयानेतानु न्यायेयाची लेखानु या सुतायसूत्र यथा वता केता येती मार्थेयात्रार्भे कुटाश्रया । अर्के केत्रार्येये त्रदामी शुर्भे प्रदा । विश्वामाश्रुद्धाया देरार्देश यहें न्यये मान्या दे हिंदा धेना खुया हे यह यह सामन्य सकें मानी हा यह हा विके क्षुं बे लेखाम्याम्यास्या सुवाकी स्वयाण्या पूर्वित सर्वेता वाम्याम्याने हार हा निवास ঀঀৣ৾৴৾ঀয়৾৾৾ঀয়৾য়য়৾য়য়৾৸য়য়য়৾ঀ৾য়য়য়য়ৣ৾৽ঀয়য়৽ঽঢ়য়৸য়য়য়ৣ৽ঢ়ঢ়৻ড়ৢয়৻ড়ৢয় सुर्भार्केम्बर्भायस्य नमुरुप्पार्वमार्मे। देम्बर्भसुरुसुर्भार्केम्बर्भार्से हुर्म्भर्भे प्राप्ता नर्भान्सु'र्स्ट्रिट'न्स्ट्रिट'न्स्ट्रिट्रम्स्ट्रिट्रम्स्ट्रिट्स्ट्रम्स्ट्रिट्स्ट्रम्स्ट्रिट्स्ट्रम्स्ट्रम् मनतः भूटः रु: में र शेतुः मार्टः रुमा लटः रटः यरुम लेशः यद्युटः या केंशः मुया शेशः <u> नर्नेक मुः नुषासुः धरः भ्रः सर्केन यान्दा सरः मुः श्चेः मार्केक यार्थे मार्था लदः मीर्था मुनः यथः </u> बट क्षु मैन्या द्याम से बेया दर केट मेन्या घर्या वर्ष कर प्राथ के मा कु में विषा ८८१ क्षेटामरावर्षमानेषानुपार्त्तुमार्ययानेटाटटार्द्धवानहरूपा माहेर्दटाधुरावा हे'नर र्चेन य'न दुट र्से हुस्य य र्सेन्स यया निवे हुँद र्द्धयायस पद्साय निवार्येद या वैश्हे प्देत्रेष्णमाधीम बिहा युमाया मनाम निर्देश है प्राप्त के माना मन गठेग'ॸ्'गुंश'वेट'र्र्र्रा'न्वेर'नव्याच्याचें मेश्या'स्यश'ग्री'र्र्यासुर्रासुर्रासुर्रास्य यश्चमुक्यालिमास्री यमाधुसाने माहिसाग्ची स्थासु रमा द्वारा महीरा मही प्राप्ति स्थापन न'निल'धूटा सुराय'यथ'हे'ळेथ'ग्वट्य'वर्सेट्'र्बेर'सुरु'सुर्अयर्केग्य'रादे'हेर्न्याट् र्द्रभाया द्वितु भर्द्रम द्वीर्था द्वारा विमा पुर्भाया मार्ने दाया से दाया र्योत प्राप्त स्वारा स्वारा स्वारा स <u> इंक्टें न देन अद्भाय पुरा मुज्य के अर्थ न पुरस ये दुस के दुस के मूल का स</u> क्ष्मरामेरान्नेरार्भेता क्षेत्रार्क्टामेराने स्राप्ते सुरायत्य मुन्तेर्केष्य र्थेता ने विंट के लट क्षेत्र अर्केग ५८ ५ राज्य अठ्ठा यदे अर्दे स्माय देग मात्र्य राज्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स

श्चित्रायास्रवरार्सेन चै देश देन चै दमे पाने साकेन में दिए लें दें पर्वे प्रमुद देर बन्यायन्रात्त्र्यान्वित्रान्येष्ठेत्रार्धेन्येष्ट्रान्येश्वग्याः चैत्राम्ची न्देशः स्त्रीन्। एन्यायायायाः वि **ॷ**८ॱनङ्ग्रन'ग्री'र्रम्यायाम् अ८'माशु८'ध्ययाहे'य्रे 'हेर्मार्डमा'सु'धेर् 'साही मिं'र्के'ग्रर' য়৴৴ঀ৾ঀ৴য়ৢয়৾য়ড়য়৸য়য়ঀয়য়ৣয়৸য়য়৸য়য়ঢ়য়ড়৾৴৻ঀৢয়৻য়ঢ়৾ৼ৾৴ न रुसरायते मार्याट रुसायसाँ ७ वट स्रेन सर्केमा मोर्या प्रमुद्दा प्रमुद्दा मार्याट प्रमे युटा । अट.टु.चञ्चरा:बेट:क्रेट.वर्थ:मूंग्रय:यदे:क्टा । यट.यट.बुर्य:स्म्रय:यचाःस्य: यम्द्रम्भ्री । र्ध्वेन् प्युवार्टे अक्राम्य मुरामुरा मुरान्गुरा सुन्। विरामश्राम्य । सर्वेद दुर्य विटा मिं कें र्द्य विस्रा क्षेत्र «न्रह्मेन्य प्रेरे मेग न्युरे होट न्युर् <u>॔</u>ऄऄॴय़ॸॱख़ॖॖॖॖॖॸॱॻॾॢढ़ॱॻॖऀॱॸऀॺऻॴॱॸ॓ॱॸॺॱॺॏॱॸ॔ढ़ॱऄॱऄढ़ॱॸॱॾॱॶॴॻॖढ़ॱॸॱॴॱॺ॔ॴॎ गुट घट रेन र्ये केश पिट है द खुट मैश न सून द्या द ट पि कें द्या विस्राय द युद या र्चेशक्षामश्रुम्याद्ध्यार्श्वम्यामन्यम् याने प्रमाने भीत्र मेन स्थापन्य स्थापन्य स्थापन्य स्थापन्य स्थापन्य स् तचतः विषाः धेवः यः तदेतेः देषायः तस्यायः स्थाः स्थाः स्थाः स्याः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्था क्षें अट र्कट मैश्वर दि र भें तर्कट या सुमा पर्कय है अहया या मि केरी मुद र्यो क्षें र विमा मीर्या अर्घेट प्रया तु मुति घर्या याया ग्रीया क्षी यह अपन्य कि के प्रयापित क्या तु म नड्ग'यश'र्षि'रूट'ग्न'क्रे'त्र्गे'त्रा वेश'नन्द्र'य'रेद'बेर'न'र्श्गश'ग्रै'ट्ग'क्रुत'र्थे' मुशर्भित्राम्मार्गर्दा इस्रायरास्मानुदारुमार्ययानास्मान्स्रायस्यराज्या र्देशके मिं कें गुरक्षर धेव पर देश है। 1901 में र गुव अष्टिव भु से द नवि नश नभुवाने विक्रम् माराह्म मार्गिकायाम्यमायने नयाम्य मार्गिका मिर्मिका मिर्मिक न्गुंद र्ले में मार्रेश प्रवेश में दार्गि कें दर्गि क मुः सि म्या प्रदार में प्रवेश में प्रवेश में दार्गि कें ष्ट्रिम् प्रतुष्प्रायपे माव्य रे प्रयाण्य का मुख्य के विट विट र्स्ने मुख्य संस्थित स्थाणे रे <u>५८ॱम८ॱम्बर्भ, यह्री, श्री, क्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष्य स्क्री, यह्र श्री, यहा श्री, यह श्री, यह श्री, यह</u> णुट विनासमायमिं रार्धेना ने क्षेत्र नर्मेत्र खुट न्दा से कित्र केंग्राक्ष त्रका के न्दा ग्राट यदे ने श्वे में 1902 में भ्रे बट भ्रेन अर्केम भ्रु शुष्टन यथायद्य स्था है या ग्री में स्थित निर्

5. पश्चभग्रा त्रेष्या रेषा. यूचा. मुैश'ग्री'स्थ'वर'नस्थ'त्री'ग्रेन्'थावर'र्द्धर'अर्गे'त्राषुना'र्यते'त्राषुव्य'निव्यानी हैं' गल्ट र्दामेन बेलें स्था है। दूर है। त्रामा मी साधिट स् धुर द्वे प्रहेत सा बुराया पर्दे त्रबाचित्रचरात्रबा चरात्रवाच्यत्रक्राह्त्रम् चेषात्रवेषात्रुं मैकाख्रीत्र्ये सेषायत्रम् वा नश्चेम्रायते «तुःन्टा दर्मेत् यदे मान्त स्वयासर्मे यस्य । लेयायम् । अपः यत्रयायायार्यदाने अर्दे भ्रदायायी येगायो हे मानुदानेयायम् प्राप्त विया नर्गेर'र्थेर'य'र्टा नेर'र्हेट्य'रेग'र्र्ट्य'र्रे'र्यायट'मेथ'न्ध्रेग्य'यदे' «ग्रुट' पत्रुअ'न्ग्रन्रक्ष्ण» ह्या अर्ने श्चन्यां वे विष्ठे क्षेत्रे के लेखानु प्रम्थल एक्षेत्रे मेग्रा सुन्या यदे «नर्भुन'नु'गडिय'नस्य» शु न'स्दि'गान'सुतु'विट'केन'नयट'कु'र्हेट'मी' र्षिट्यमिर्म्मार्मिर्वरिषेचर्ष्वे लेयानुन्नदेश्यमः भुष्यपुट्या @ लेयान्टा र्स्नान्नटा क्रिंगम्मन्यर्दरान्यर्भेर् त्रुव्ययः हैर्वेयान्यस्मिन्यर्भवे «म्द्यार्ट्ट्रियः व्यव्यर्भन्तरः देवरः देवर र्चेत्रः मुः र्रेश्राण्यमान्येरः ह्युश्र ३। सर्रे । यस्य अस्त्र ५ मुः अदे : करमार्ने म्या रे मालु ८ ५ र यवै''''' «माट्यारुम्याययाम्यायायार्यातार्याद्यार्थः स्थायम् अर्रे भूटा से मानुटा 58 वेश दीश पर्वा ने प्रवित «उट प्राम केंगा अर्हिन केतर सें» हा र्डेस प्रीमा मार्थेर ह्वा नु पर्मे द पर्मे के मार्थे के मार्थे के मार्थे प्रमान के कि कि मार्थे प्रमान के मार्थे प्रमान क र्हेर्यायाञ्चराकरार्हेर्याञ्चेगायरायोगायञ्चेगयायाये «र्हेर्याययायोगायोगाचीराण्चेयायु» बेश'यम्। तु'न्नर'नमे'नमेश'यू'र्से'र्पेर'नेम'ग्रीश'र'क्षेपे'गार'सुपु'बेर'केर'नशर'कु' विन विश्वासीमार्वि के खुया हो सुरात्युयाना सर्वस्थायम् सेर हे मालुट प्रावेन वि र्देन'म्डिम'र्शरमी'रूसम्मर्थासु'तुर्याय'त्रा यराष्ट्री'त्रानु'त्रमामी'त्रेनु'यासासेत यर भर्रे भ्रदः राषी वैगायो हे गल्द द्वाय प्राप्त राष्ट्र या देश या द्वाय या स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय है

द्वार्याम्बर्धिराधित्रम्भात्राम्बर्धार्याचे स्वार्थेराम्बर्धार्याच्याः स्वार्थेराम्बर्धाः स्वार्थेराम्बर्धाः स स्वार्थेराम्बर्धाः स्वार्थेराम्बर्धाः स्वार्थेन्याः स्वार्थेराम्बर्धेन्याः स्वार्थेराम्बर्धेन्यः स्वार्थेराम्बर्धेन्याः स्वार्थेराम्बर्धेन्याः स्वार्थेराम्बर्धेन्य

2014र्थेदै र्ने म्त्रु पद्भ पदै कें या पर्टे ख्दै हैना मिर्ने खुवा दिया के मालेन वा विवास त्रे'लेस'यदे'स'सेम्'दर्नरकेद'र्दु'र्सेट'य'धेम्। विय'त्रे'मे:'से'म्लूट'में'सदे'ये'यम् क्ट क्ट लिग धेन या नेट यट अर्के र्सेन लिट केन ग्री सं र्से र्सेना हेट न्या न्यर से नवैर्वन्यन् केत्रावेद्यासुमिवायाम् निष्याम् निष्यास्य निष्यास्य स्थानि । *ॺॱक़ॣ॔ॱॺ*य़ॺॱॺॖॱॺऻॺॱॺॸॱॸॸॱय़ॸॸॺॱय़ऄ॒य़ॱक़ॺॱॲॸऻॗॱॺ॓ॸॱॺ॓ॱॸ॓ऀॱॸॗ॓ॱढ़ज़ॗॸॱऄॸॱ न'ग्रेश'ग्रे'नर'रु'केक'र्ये'वेग'स्ट'घट'र्ट्रायरेशक्य'र्थेर'य'रे'हेर'येक'या देवु मुख्युरमा ठैमार्भे अदेट अट अट अट विं के खेर नुरुर अधीता र्थे कर विन वेर सें वै मिं कें हे नि र प्राप्त कें कें में प्राप्त कें हे नि र कें हो नि र कें में र कें र कें र कें र कें र कें र <u>न'तुब'हे'र्मेर'र्मेर'मु-नीनबासु'तुब'हे'रु'यनन'बेर'वेट'। इब'घर'द्यटाम'</u> म्बर्यानु पर्विन र्धिन यस प्रतिम सी हिंदी । ने नुसम्बर्धस्य सर्विम् सी मार्सिन स्व नब्दाओन्। यम र्श्वमा ये। न्दार्यि कें। नमाया र्सेन् मोदा सुप्रधाओन्। यम से मालुदा सेन्। श्चर्यरम्बर्धरायामिक्रंस्यार्मायम्बर्धित्रहे। क्रायार्य्यस्याश्चर्रेद्यान्यार् र्चरायाक्षरास्थानेरामार्था हिराया मिक्षेत्र्या सिक्षेत्रास्य स्वात्रास्य स्वात्रास्य स्वात्रास्य ॔ॴॱॾॢढ़ॱॺ॓ॸॱज़ॻॖॴॱॸॺॕऻॺॱऄॸॱ।ॱख़ॸॱॺॏॺॱक़ॕॺॱॺक़ढ़ॱॻक़ॗॸॱय़ज़ऀॱॺऻॿऀॱढ़ॺॱॺॎ॔ॱक़॓॔ज़ऀॱ<u>ॸ</u>ॱ *च'*न्तुरुअर्द्घेर'नु'पेन'ष्ठे'य'यनच'सर'नम्ना पिं'र्के'ब्रे'कुट'र्के'शुट'पीन'सब'न्तुर' য়৻ঀয়৻য়৻ঀ৾৻য়৾ঢ়৻য়ঢ়৻য়ৢয়ঢ়৻ড়৻ড়৻ড়৻ড়৻ড়৻ড়৸ড়৸ড়৸ড়৻য়য়য়৻য়ৢঢ়৻ড়ৢ৾ঢ়৻ मुदानेरानानिकानिकानुः सूरा 1958वेदिः हेषान्यास्यस्याने द्यापार्थेनः म्रोट चुट अधर में ट रेअ मुंश र्सेम हेंट चुन त्यर पुल कें ल त्यर प्रमा मीश नठन्। नॱक़ॖॱॺॱऄॺॱॸ॓ॱक़॓ॱॼॺॱॸॺॸॱळ॔ॸॱॺऄॱय़ॱਜ਼॓॔ॱळ॔ॸॱऄ॔ॺऻॺॱॻॖऀॱॸॻॖॸॱॸ॒ग़ॖक़ॱॻॖऀॱ

अळें र श धीता नन्मामी नमें मन रेन सें के हे पहरा नुहरा मु अर्के अर्के मामीश बट र्हेन क्ट सु त्यु दश शरी श श्रीमा ये न वी नु त्य न न श शी हैं न यो श श्री न पर । मशुट्यामेटा वटा क्षेत्र रार्मेरा ची प्राचा पविषय स्वापित मना से स्वापित स्वापित विष्या स्वापित स्वापित स्वापित भैःर्चरार्श्वरमार्केदेःप्यामुक्यार्स्यायेशमालेयायदेशमधीयादेराविकेपुर्विप्या क्षेत्रदुषाञ्चरप्रायम्यम् विकासम्य विकासः नरेन है। वें रेवे हें र तुः स्पन्य तुः तुः अहमा हु र में या अर्वेर नक्षा स र्हेरा नर लग धुःर्सेर संग्रायम् ५ दे मि के द्वरायाय उत्त्री द्याधेन या विद्वी देया यते केंश नरु मासुस्राय प्राप्त स्था यथा स्था । दुस्रा केंद्र सा देश गुट । लट : स्रेंद्र सर्केम गीस <u> नर्गेन सुट नुः अर्दन परिः विं केदिः मृद्धिः यनमान्मा मौ प्याट ध्येमाः भ्राप्या प्राप्ता मुखाः</u> र्देन मूच रेग पर्या विच में स्वा है निय युग्या । अर्के में निय मी मार्शेर १ पेंदा । रेग म्बर्ध्या बिटा क्षें अट र्कट मेबा नगत मन्बर्धा मुन्या नम मुन्या म केन र्येपे नदमी भे भे पर्या विश्वामा सुद्या पर्ने मार्चे पर्वे पर्वे मान्या दे भे दिया से वा विच वे स्वा है लेख चु के स्वा चरे द्वी चरा है दे दु द चु र लेगा वा में द में बा पर क्षुमा र्हे नायी मदी है पर्विम हमा हमा ना ना ना है दे दु नमा पत्र मा ने मा किया प्येत या पर्दे के<sup>ॱ</sup>स'न्धुन्'णुं'क'क्स'णुट'धेक'व्स'के'से। से नुग'केट'ननुक'नु'ग्गम्य'यदे'क्ट'र्ज्ञ र्में भैं मुद्र क्रेट में अर्तु प्रदा है भें तुर्केत पर्छे पतु दें पतु द के पाया में प्राप्त के ते व ने भेर लिंद प्रमा मुद क्याय र धुर की सुम्या सु यह या मार्के के तर्वीय की भेरे <u> चुबात्रासुदार्दरार्द्रम्बायायबादम्यायासुदा बदाणुदाकोत् यम्याङ्गम् यायबामिनाद्य</u>ीहा र्बे रेर बेर अपक र्पेर र्सेरा सर्बे के रें या के अपर पान प्रमुद्या पेया मेरा के सर्बे बेर प्रायम नेतु प्रतुर मुं भेर मालक भेर या मुर क्या प्रमुम कर कु थे र मुं या रू थे र यवै सूट यवट से सेना के नेवु में कर हैगा धेर या रान्युन गुट से येग्रा या रा र्मेट मी खुट र्देन देर वर्चेर दगव र्डम मद्य मट क्षर है व की सवे है व्यास सेन यादमासुकार्येदबाम्मवाधायेकायवा नेतुत्वसुकार्यने केत्रसुद्वार्याविकार्याया र्ये प्रेर प्रदारम्प्राचा वा वा मीया के दा या से माय दे द्रमाया मि के प्राया से प्रेर्ण प्रेर्ण प्रेर्

र्केर क मुग्न उट पेंद या पेन है। ये हैश पमु बैन र्साय प्रमुरायते सर्वेर या नेुदार्सुट नियम्प्री । वियम्भित्र विष्व । विष्य विष्य । विषय विषय । ने<sup>ॱ</sup>स'र्देग्'नुॱसु'नर'सर्ट्न'ठेट्र' र्विक्टें से नदे से रासु र्थेट्रस'न्ट्र सेंग्'र्ये'सन्द'न्ड्र' म्डिम् र्सिम्रायान्य प्राप्तायार्केश् विनायुत्र हेश्याम् प्रार्थम्यार्केश्याः प्राप्त प्राप्ता विनायुत्र विनाय वेटबाबटानर्भेरावेटा। ५.५८ बाबीमाने ५८८ ६ उटा हे नवे बवे का मुवा सेवे रेरा म्मार्थित्। मिर्क्रम्बित्पद्माम्पुट्युट्यकुवास्यर्वस्यर्वेद्यर्थेत्राप्यर्कम्याः रेअदे हेर न्तु सुन्वयाम् हेमामित्र नुस्या र्सेवा अदे सुर हदे के मान्य पर्देन मर्शियार्शिम्बाग्राम् से से प्रते क्या पर्स्यया मेटा हे से टायर्के दामी के मास्रामेट या स्राप्त नःलटःवर्दे।वयासद्दाःमास्याःच्वाःच्वाःच्याःमास्याःचःद्वरःर्दे। । ५.५८ मास्याःच्याः सक्य. मु. संबाद्या त्रात्त्र प्रवास्त्र क्रि. संवास्त्र क्रि. संवास्त्र क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष वरातुःमाराया रायदेःयार्येदामीरायह्रामीदारार्धेरायये मुत्रमाठेमा सेमालुदासुदा यदे सुन हैं त्या सु रेंन अघुन में प्रस्याय महें र या न र सुंद या न र सुंद या न स्तु र या न र सुंद या न र सुंद य ঀয়৻য়৻য়৻ৡ৻ঀয়ৢয়৻য়ড়য়৻য়ৼ৻য়ৢয়৻য়য়৻য়য়৻য়য়ৢঀ৻ড়ৢ৾ঢ়৻য়ঢ়৻ৠৣ৾৻য়য়ৢয়৻য়ঢ়৻য়ৼ৾ঀ৻ र्श्वेटा अर्देर द्रिया दाविय वि दे विटामी भ्रुव्हें द्रिया विरामण कमाय केया बया श्रीवियया यदे राषे मा ए प्राप्त निया भेता वित्या निया वितायहमा चेता का मेरा विशायदे । त्युप्राम्बर्धास्य सेमाप्राप्ति प्रदेश के के प्राम्य म्याप्त कर के सुस्रा सासीमाप्ती के सिन करामिं कें भी रचुरामदी अर्केर याचेरार्श्वेर र्स्वा रामित या रेट यह र्सिमा हेट स्वमा <u> न्यर मुंर्जित यार्जे नवि नगुन यार्जेर प्येन यव ए यारेना नेव सुरामें में ने रेन र्रेन पर्रेया</u> वामिर्वयाने मान्दार्देन पर्केवानावया व्यम्पर्वेग्या निम्मी श्वाप के न्याया र्रेट क्रा के नि नेद्रायमार्श्वीयि क्षेटा क्षेत्र वादे प्रदायदायका यदि त्रीटा का बाकियार्थे। विकायटा है। अभाग्नीः र्द्या दुः युषा यदि रे मालुट दिटा विचा त्री स्या है। हैं चा यी भार्ये नाषा नाषे द <u>५मॅम्, मुब्र र क्रिश्चात्र प्राप्त प्राप्त क्रिया क्</u> <u>न्येमाशुक्षः मुक्षः देवा वहेत्रः यदान्या देवा मुन्दिन न्वीकाया के मार्चे राष्ट्रे येदाय विका</u> तमाम लेग न्या हे मालुट नु तमुट्य लेय स्था मिट मी तमुट्य मलिय ग्री माम न र्नेन वगार्केन्सेन्। नःक्षेत्रकरःर्यामुगक्षाक्षुःर्वभायमाभार्वेभायार्वेभायापुरमाध्यापे हेः

माबुद्र है र्पिमा मार्था प्यदान र्शिमा हेट रे दा श्रुधा सदी त्याप्या मानिवद्ध श्रुधा सनिन प्रदुम र्मिकें के र्सेमार्से मेर बेम सामक यह सकेश सेंदा दे के प्रकाम दय मेर से दाय लिया है। विंकें र्सेन्। र्से प्रेक् सेक् इस् वर्ष वर परियासमें सह्ना प्रस्यान्य मासुस्राप्त प्रकार कार्या प्रेस्पा विंकें र्सेमा र्ये प्रेम मन्द्र स्टापुवा द्रा र्सेमा र्ये विश्व द्र्ये पर्ये द्रा र्योम र्ये विश्व र्ये प्रा स *न्नामीश'न्यस्य देने'द्वित्यमिवस'न्त्र'द्वित्य'स्यूत्य'वेस'स'दे'वे'स'स*्ट्रिस्स भ्रेगमा भेरा में मार्थ किया प्रेन स्टाया मार्थ के स्वाप्त के स्वाप यशः श्रेयः यदे या सेमा मिं तर्यसाया चेदा से स्टा क्रिसा श्रेषा से मिंदाया ल्दा यदी प्रवसा भावरात्रारा है मुल्ट प्रवारा सावरा रामा विवादी प्रवारा सावरा सेवा में प्रवारा सावरा वियापर्येन र्श्रेवा सेन पापनेया गुष्या सुरान विष्य स्थित ५.२८.मी.पर्चेर.र्ह्यमा.र्ह्मन्तरम्प्राष्ट्रिमा.क्रम् क्रमा.मे.म्रास्ट्रम्, म्रास्ट्रम्, म्रास्ट्रम्, स्वास्त्रम्, स्वास्त्रम्यस्त्रम्, स्वास्त्रम्, য়ॱॸऻॻॱॸॖऀॺॱज़ॺॖऀ॓क़ॱॿ॓ॸॱॸऻढ़ऀॱॺॱऄॺऻॱॸ॓ॱॸॖऀॸॱग़ॖढ़ॱॺॿॎॖ॓ढ़ॱॺऻऀ॔ॸॱॺॸॱख़ॖक़ॱॺऻॺढ़ॱॹॖऀॱॻऻॺॱ सुमिर्मम्भिन्। पहस्र निर्मानवर् मास्र म्यम् नवितः मेटाया वटायते नापः नदुः न्मो नमेशानरा अकन्तुः र्चेन यान्मेन यायान बदानि हेन प्रवेया थेन याहे यभर्मरम्, न्या में वाद्या विष्य विष्य में क्रिक् में में केंद्रिन में या क्रिक्ष में विषय में क्रिक्ष मिष्ठेशमा स्ट्रेट्य प्रम्मायय है। स्ट्रेयमार दे किरायश सुर्देर सुर्वे प्रमाय वर यथा दिएयए हैं श्रुरिएयुयाय ना श्रिश्चरमी अर्के दर्मगुराक्षे र्वेग अर्के दरका थरा स्रामाञ्चमास्राप्तर्मा । मानमा स्रुमाया ग्रीयामाट प्रयास स्रोहें राखाया । दार्यया निर्मास्या नती । विट मिल्रायट कुळे द्वाया भी । में द्वाया मी विट से दि प्रति । देश ८८। सम्भाषीत्र्याण्चेयायद्येषायदी । क्षेत्रायाया विमाण्यायायकेया । सम्बेयाण्ची ब्रियानवटावेन मदी । भी कुराणी सामाधुट्या ब्रिया ब्रिया ब्रिया ब्रिया ब्रिया की प्रमादा प्रीटा ग्रेग्'या 1875र्थेदे र्नेर्न्तु प्रवेपिते केंश्यमें र प्रमुद्यम्बिशार्ये कें रुप्येप्य त्रथाहे 'रूट' भैर' ग्री' मात्रथा र्ख्या र्स्की 'यदे 'थेर' ग्रीथ' सूर्य यहे यथा यदे 'विट'रूट' भैर' ग्री' हें '

हेते केंगा धेवा राक्षा करा नगुरा यो ग्वापकुरा मलेखा भवे प्रमाखा मन सेवा में के स्नापेटा निवासीयानवटानिस्त्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्राम्भित्रामित्राम्भित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित् कर्यम्यविर्धित् र्षृतेकम्यित्रं वर्षेम्या वर्षम्य वर्षम्य विष्य वर्षे गिरेन क्य र्रा हिंस कुर धेन यम श्चाय है सार न्या है सार र्रा प्रत्य र हैं से विमायान्यः सुन्तर में क्रिक् मकेमा मी दिमाया सुन्य प्यार प्येन से स्थायक प्येन दे। पे का वर र्देवर्केशरुवा हेवर्मा चुरायाधेवरम्य वया हिन् ग्रीमेग्या सुन र्थेन् सम्याययायेवर रमियायदे भ्रिम् हम्बायायया याष्ट्रचात्राष्ट्रचायार्थे दायरावया स्वावुटाया रेग्रामुन्र्येन्येन्योन्याम्यस्यायान्याम्यायान्यस्य स्वराधित्रा कै'लट'र्सेक'ग्री'रेगबाग्रुट'येक'बेर'याया लट'स्ट्र'र्केब'ठवा र्षिट लट'र्सेक'यायहेक' क्षान्द्वरानामारालेम रेखेराकार्षेत्राकेरादमीबायमात्रामा र्षेत्रामुद्धेराव्यत्रायी मुैरा पर्रेर ना लट र्स्नेन केंग रुना लट से र्षिर की प्रच्या नु र्षेन । ८८. मेथ. बैट. पत्रीय लाक नाय. किया मनामाया पर्टर मा टे. माध्रेय की पत्रास्त्र स नर्या रेट्सीरा पर्रेरमा बर्स्स्य में रूट्स्स्स् स्था ब्रा वर्षा हा है। देश कर दे वीय देशीय निर्मेश निर्मेश निर्मेश के वीय है है । भन्ना जिट्द्रमान्ना कृत्यम् कृत्यम् द्वार्था द्वारा भन्ना विद्याम् स्वर्था पर्द्र भे नुषाने। वटा हेन ग्री नुषा सु वटा क्षा प्यें प्रायत प्रीया नेया वया वटा हेन प्यें प्रायत । मुैरा देरावया बटार्स्नेन ग्रीरिमाश सूरार्थेन प्रदेश से प्रवर्भ परि मुैरा हमाशामशा ष्ट्रियायार्त्ती है यार्थिया वर्षियाम्बुमा यदाबदाक्षार्टेश हवा र्षिदाबदार्से क्रिया मान मुन्याधेन प्रमाधित हैन सिन्यों स्वाया स्व ब्रियायार्मम्यायपेर्द्रवास्त्रित्रस्यास्त्रीर्वे। ।ब्रहासूर्वरम्यायासूराद्राद्रास्त्रम्या मुर-र्नेन मरिमा श्रीट मी इस माट्य स्था प्रीन स्पेर स्था नेया स्था मीया दार्दा प्रया कृषा, इ. भर. रेट. प्रजा. क्षेता, इ. भट्ट. विर. तर्रा तरा श्रापेश तरा हो थे. अर्केम्'मे 'शुट' नक्षुत्र' न्धुंन 'यावत' नु'र्त्तेया यार्थेम्य 'तुर' न्टा रुवा' में 'नु'या नु'क्षुट' न तर्र-रमायायेम्बर्से मुम्बर्मर्ने मुण्डे के विष्कृते में के राम्याय के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त

द्विरित्रेग्यास्तुन्दिःग्वित्वयान्यान्यां के देश्यात्ति स्वात्ति स्वाति स्वा

मशुराया वट र्स्ने अर्केम में स्रेश स्थानि यनम में तुर्रे माट प्रेन टेंश यहें न्या

गात सुतु विट केत में ५ 'ग्री भेष भैग विच 'यह्मा 'ायट 'मीष' मञ्जीमाष' भये 'वट 'स्र्रेत 'सर्केमा' मीमाशुटावनुस्याक्तंत्रसाकेवे र्वेराव्युवासटाबेटा ५५५८ तसटाधेमा५८ मार्सेवा र्झेन'ग्नन्न'र्रम्थ'क्य'र्नेग'र्शेग्थ'स्रार चें लिग'पर्विन'युय'सेन'या ध्रेर'न'ग्रुट'र्घर' तुःर्क्षेरःविगान्ने गसुटायनुभानुयदायमिनासेन स्रोतास्य प्राप्ति । स्रोतासेन स्रोतास्य स्रोतासेन स्रोतासेन स्रोत ઌૹૻ૽૾ૢઌૻૹ૾૽ૢ૾ૢઌૼ૽૿ૢ૽ૹૻૻૺ૱૽ૺ૱ઌ૽ૼ૱ઌૢઌૻૹ૽ૼઌૢઌૹૼઌ૱૱૱૱૱૽૽ઌ૽ૼૹ૽ૺઌ૿૽ૹ૽ૺ૱૱ૢૢૢ૽ૺ <u> स्वाबादर्वेद्रामार्ने केंगा याधीमार्टे केंद्रायादमाया पश्चरावदे यादा कवाबामार्ने राखदे कें</u> गान्दान्यश्रदाधेमायम् ग्रायदाद्वित् क्रुटा मृद्ये अर्केन प्रमेत्रायमा केमाने न प्रदाय क्रैट द्वार में 'द्वार पुरु 'द्रार प्रमुख सुट्या प्रविद प्रविष्य सुमार्थ प्राप्त क्रिया क्रिया स्था में से स्थ ఴౢॱয়८ॱऄढ़ॱढ़॓ऀॱॺॎॕ॔॔॔॔ढ़ॱॺॏॺॱॺऻढ़ॕ॔॔॔ॱॸॴॖॕॕ॔॔॔ॸॏॹढ़ॱॺॏढ़॔ॱज़॔ॱॺऻढ़ॱऄढ़ॱढ़ॆॺॱॻॗढ़ॱ नेशया भ्रमायर प्रश्रम प्रमाप्त्र प्रश्रम नेशम् नेशम् श्रमा स्वर्ष प्रमा मनद न्य ८.सेत्.यर.रे.प्र.ष्.ष्.भ्र.श्रर्भराच्याचाराम्बाराम्तराम्।भ्रेश्चर्यास्त्रश्चेश्वराक्षेश्वराक्षाक्षाः <u> नुसर रुअ केंब प्रमुद ने या बेर प्यया मृत्या क्रम रे हा नुसर मुत्या बारा परी केंद्र पिन</u> थैव प्रमाय पर्दे दारी कु अर्द्ध के प्रमाय पिया मी प्रमाय भिषामा थु खु दा बहा क्षा हा दुसर ॻॖऀॱनब८ॱऄऀॻॱनॾॺॺॱय़ऎॱॸॖतुर। ॾॱॸॱॸॸॱॸक़ॱऻ॔ॸॱॶॻॱॸॾॆऀ॔॔ॸॱक़ॻॿॱॾॖढ़ॱ। कें भें भर्षे ना है तुर्वे का उन्। विषायर नुषा भह्रभाष्ट्री विष्के ते ने सामित्र મૈશાલદાવાં કાર્યા સાથ્યા મુશા કે સેં અર્જે નાલેશ નવે જેવા દે સે જેવા કુ એ દામુદા

रु'न'रन'नहत्र्वेश'अ'नर्हेन'त्रदर'षशक्या'मी'स'सुन'दर्मेगश'र्से'र्ने'र्येग'दर्मे'मी' मॅिट या हा नुसार अर्ज रहे ही अर हे और परीका सैवाश निहार हैं वीका श्रीमें हा या ही ते नगृनःसुटःसुःसृःनुतेःत्रुःकेनःग्रीःर्ह्येन्यःसासटःदुःग्वृटःनःस्टादेतेःहेनःवन्नेयःदुः मुशुद्रबार्श्वेदा मिंदाक्षु'न्देबायेनबाण्चैबायनार्श्वेष्यदानकृत्रहेदानबदाम्बेवाबह्ना यदे मुख्यक्त पर्ने न्याया नहेन न्या भ्रेया भ्रम प्रायुवा ना मुद्रा वा रहेगा येथा वया कमाः भ्रूमाः रे अवअः तुषः स्वैषः गुरु अष्विरः भ्रायः च वटः श्रुचः च भ्रुरः त्यटः ध्रुमाः मीषः विर्वेः <u> शे'अ८'य'नक्ष्र'पदे'यन'र्रे'ग्यू८'दु८'कुय'अर्ळ</u>्य'अर्घेक्'र्ये'द्रे'गेन'वे'ट'र्क्क्य'अर्द् वट गुराया हे हैर ग्रेश में हेम द्वा सु त्वरा महिम महिम दु स्थाय पाय हैं अ षिया देया ने भेन नुष्य हैं प्राया विद्या में भी को का के या की वाली के विद्या की वाली यट अप्येत या विट मेश क्षेत्र क्षेत्र के गुत्र अष्टित प्रहेम्य के द द्वार विश्व प्रहेत यह स्थान षाभ्रेयार्पे कें सून मासुमाने हैन लटा सून मुतु चगान पेटिया यहिन या ये हैन हु <u>नल्ग्रार्, इंशोर्वेट मी न्या यदे या वेयाया सूट प्राप्तुया क्वेंट वे दें राग्नुव ये खा के या वि</u> कें भ्रुक् गशुभ भ्रुट 'बु र्मुक् प्यये 'यर्चे ग्राप्ये रह्या दु र्मुक् प्यर 'खा श्रुश ट 'यशु प्यर ' श्चेत्रक्षर्वेदान्नेयात्यम्यात् स्थान्य मीमाशुट टमा हैं है कैमाया अप वर्डे या वशुट के दाया के रावलमाय देर दुट या दा माञ्चरनेमाबार्यादे नियार धुमार्गि के अकेन माशुक्ष ग्री निक्षा निया वा ग्री के मार्ने वा मुनम्मुक्रम्मर्थेनदे ह्वेत्रसुट लेशनुन्य दिने ही क्ष्मा १ तकेत्र से माट मेश र्स्या नबेन'रु'र्सेट'नवे'से'पनट्याप्ति'णे'ब्ट'स्वे'रेग्यास्सु'सेयानेट'नस्न'पवे'प्रचुट' म्बर्गन्ययाः स्वायाः विषायाः यो म्यार्गन्य स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विषय ॻऻॿऀॻऻॺॱॻक़ॕॺॱय़ॱक़ॖॱॺऻढ़ॣॕॸॱढ़ॻॣ॔ॖॸॱज़ऒऄॱफ़ऀॻॱढ़ॸॖॴॹऒॹऒॹज़ॹज़ज़ज़ॕॗज़ॱज़ॗ॔ॸड़ॗॗढ़ रु'ग्राम्बार्या स्माबादहित में टाष्ट्रियमि हैबायात्रवात्त्रात्वेषात्रवार में या बेबाद्या नब८ॱधेमामोॱॸ्णुबरसुॱनर्गेॸ्ॱसदेॱगाॱर्रेबर् । गाःबर्यः भू×ः नेःन्यः अदेबर्यसदेः भू। । ायः निते भे भे भे भे भे भे भे भे भे भी स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप स्वाप्त के सद्दान्। IC रुगा श्रेषा क्षा शाक्षा गुरुव केवा सेंगा न सेंगा कि रहेंदे श्रेवा न या केंगा रही ।

नवित्रःग्रेम् । क्रःन्यःर्भेट्यः सुःर्देग्यः भवे अर्केन्गिरं मन्यया । हः कटः सुन्ग्रीयः नर्नि हैट मुर्शेय निर्माता । १९ मुर्थ तु सुर पहुँ अल्य अर्देन या नर्भेता । ५ सू मा ५ नवर्यरे रें हे थेया । घर्केमारें हे रे सें मर्ख्या नर्गेर् नविता । राष्ट्र इया वर्चेरा यन्गः र्श्वम्यः हे 'न्ट 'यठ्या । क्यारेर 'यट माधेया भेन 'यशुट 'या यहेंन्। । या तृते 'रे' र्भेशः अद्देशः यदे रु. अर्कें क रुटा । यर्ने वा पर्दे अया यदे अर्कें का सूर्वे माया ग्रीया । पार्थेः के.प्रराहे.प्रबेष.पारेप.त्या ।श.जेश.केप.श्रम.श्रर.व्या.प्ररापप्रमा.ज.त्री। १२.५. है निब्न एप निवास सुन हिंद्य पर्देश कि नेर उन मुंबा महिंदे क्या सुंदि निब्न । <u> इ.लयु.चर्रेथ्रम्</u>ट्रियाश्रक्ति.के.प्रीयु.ट्येश्री क्रि.शटश.के.येर.विट.टे.यस्त्रयाश.ज. नर्भेत्। । १९ नवर र्वेर पुर्वे र्नेग प्रं प्रमाप्त स्था श्वर्या । वर्षे ग मेर प्राप्त राज्य । मार्थराम्यामार्थ्या । प्रायुराह्म्यामार्थे प्रायदे प्रायदे प्रायदे प्रायदे । प्रायद्य । प्रायद्य । प्रायद्य । तसमाशार्देरानु प्रहेदा । राषा श्वराणीर तस्र प्रविदामानुमा सदी द्या । त्या युटामटान्यमन्याण्या क्षिताया । मासमार्खेमान्यम्यान्यान्यानुनायी । याब्रेटामटानवेत्विरार्केमयास्ययायान्बेन्। । ज्यवेत्माञ्चरास्यायवेञ्चायदे कें तस्या है। । । जि. में में भेराग्नें टार्च भन्ना सम्मान हैं राष्ट्र में स्वार स्वार हैं वा स्वार है। । स्वार हैं वा स्वार है वा स्वार है। स्वार है वा स माञ्चरमकेरमासुसर्यो । पार्वेरपाठसासायोपासामाधेपायानमापारमीटसा । तह्मान्ययान्तुत्मान्द्यान्वनायदेर्हेहेयम्। सियनेस्रीत्यदेन्तुरम्यदेन् मर्शेया है। । त्याळेंमा अवता कु माठेमा हु प्रशेषा वया ग्रापा । प्रमाया है मियो है से से से गर्जग्रुन्। नृर्ग्ना । र्वेनास्य हो पदी क्रम्यायाय स्थान ब्राट है। । विद्रादेश से स्थान क्राया गबुट नक्षेत्र यदे न्या केंगा नर्गेट्या क्षिं नवट कुय नक्ष्त्र हु न्द खुन यम ह्या निया मैशम्ययासुरवियानदे से केतर्या सिन्स्य विरामयदे नम् नुमानुमाने स्था र्षेत्र सर्केन प्राप्तेन प्रच्या है। सि.की.की.की.की.की.मीन प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र मुॅं में र हें विगार्थेगया। मिट प्रविधित्ताया के प्राप्त कर के या विग्राह्मा मुंदाया विग्राहमा मु

श्चराम्नीट नहें ५ ५८१ । ५ अमा प्राप्तमाश कर प्रायाश शु.मो प्राय हा मो कर हो रा वर्यायात्रा हेर वुराळगार्शेग्या । श्रीयवुरानेत्रागुर्या ..... वितायर्ज्ञेगायर अर्दित्। रिट मेंदे के निट कुन के का मर्थे न का का निरम्य के में मुनम्य के निरम्य के का माना का मेना का मुन्दुरम्पन्य । ष्वन्यरम्परम्पन्यविदेर्ज्यव्यानुवादयेवासुवाने। भिःखुराधुनवा 'क्षश' प्रमास कर 'वियास मार्मिता किंगार्के में के प्रमास के प्रमास के कार्य के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार स्वरूप के सम्बन्धित के स्वार के स्वार के सम्बन्धित के सम्बन्धित के सम्बन्धित के सम्बन्धित के सम्बन्धित के सम्ब है'यर्न'न्नर'र्नियायर्नेर'र्नेमयास्र गुना । शुरुर्नुरम्भूयार्नर्यामर्थायर्दिर ला लिय. हु. सं. भट्र. यपाय. लु. तयर श. श्री. यर् श्री विष्वाश. तर्र रू. शर्वे. ये २. ८ र स्वाश. मिट्रास्थायह्माया । द्रथमा हमा मुद्राया दर्यमा पर्देया पर्देया पर्देया पर्देया । प्रवादि । ब्रैंनर्भः ग्रैशः नक्ष्माः पर्देनः महुमा रुकः गुक्षा । प्ययः नरः सः महिंदः हुमाः धेरीः करः सः र्सेना । वट न त्रुन ५८ दिट र्से या द्याया व्याप्ते वा । या यो यो यो वा या प्राप्ते विषया । नबट में दाया विषय में दिया में प्राप्त के प् तस्यान्मार्येषाळ्माळेन् ठेम भ्रिमें समयाण्य सेमयाम्बर्केषायान्न । या र्चशर्श्रियाच बदावर्श्वर्श्विदाशी द्वीरश्विद्या । द्वीयदुत्रः श्वेर अर्केदायवा हेवी चावरा निवर्भुन। हिम्बराध्वर्भुन्य देशार्भेन प्रमानिक मिन्न स्वर्थिन विवर्धन विवर्धन विवर्धन विवर्धन विवर्धन विवर्धन व य'दर्ने'के'केम'मी'चर्मा'र्येष'केम्बासु'चठर्'य'धेक्'यश'र्येट'मी'स्रेब'ॠ'के'ख'स्रेब' र्मिकें भ्रुत्रमाशुक्राधित पानित पृगावाया यम यभूत हिटा। मिकें भ्रासे लेवा पान्न केटा से याहि भूरार्चेम्बार्रेत्। युवार्सुटाम्बियनमाखासुबार्मिके द्वार्ये के से प्रदेशन रामि वर्चयाचा भ्रुत्युबाकुष्युवाक्ष्यं न्युवाहात्रुवाहात्रेष्याचा भ्रुत्युवाहात्रेष्या वर्षे दात्रवा ल्रिंट.त्रम्बेषणजा क्षेचा.त्रम्ब्रिष्ट्र्याकपु.पर्च्चा.तपु.पक्ष्.वयबाचाक्रु.स्.वैवाबा रेमार्थाप्रेत्रायसर्गेत्रायस्त्रायस्यार्थायस्य हित्रमेल्यान्यायस्य स्थान्यस्य ववागवर र्नेव वी 1848में नगुर में हैर नवि नर सर खुया मि के सुग्रावर क्चराक्रेत्रचुट चर हिट चीरा में दि हीत होगा हेंट स्वग त्रुग्रारा र्शेग्रार्श स्वा में प्रेत केन नह्यू नय जुट नहीं न नाय क्षेत्र चुट नय धेन पट हो दा द दिए हेर पके के जुन ८८.जम्म नर्भेत्राष्ट्रेया क्रमेश्चा प्रमान्त्रा अप्राक्ष्या निष्य क्षेत्रा निष्य स्थान इसाघरात्राम्यायायासहमानुदात्ता परीके लदानर्द्वानस्वायां सुर्वेसार्

स्यान्त्रां स्वान्त्रां स्वान्त्रां स्वान्त्रां स्वान्त्रां स्वान्त्रां स्वान्त्रां स्वान्त्रां स्वान्त्रां स्व स्वान्त्रां स्वान्त्रां

### यक्षेया सहमासूर्ययोगहसा

डेबार्ड्याबेदारटा चुटाक्षातुरामाया गुन्या क्षेत्राकेदार माहेबार्या सु <u>चट नगा निश्व पष्टिय क्षे प्रमो नवे प्रमेश माने मुद्र प्रमा माने माने माने प्रमा माने माने प्राप्त</u> *चु*न्द्रम्थाश्चराख्र्र्याञ्चरचे स्वायाण्या द्वेयात् प्रतिवास्याया स्वायाच्या स्वायाच्या स्वायाच्या स्वायाच्या स गुरुषानु गावन गुरुषाया मुरुषार्थेन यदी यापादा र्रेका र्वेन पुरक्षेन प्राप्त पुरुषे प्राप्त मुद्री प्राप्त यर विगार्शेग्राया प्राप्ता मृत्ये राजा चित्रा सुत्य विद्यायये या से प्राप्त विद्याये या से प्राप्त विद्याये या भ्रया है है वि च के हे दूर दे हैं भी श्रामी है । यो है ने यो महिरा मी है । यो महिरा मि है । यो मि है । यो महिरा मि है । यो मि है । यो महिरा मि है । यो मि है गर्नेटा हे'गल्टायाधी हेत्युरातुरायधग्रायदी ग्यापुरातुरामुया सर्वतासर्वेतार्या है। अट'त्चत् के'माशुंश चुै'खुवा'क्'केश'श'न्धुन्'येगश'यति'कुवा'येति'कैर'म्यागश'य'ने' १९८,८८,७५५,मीश,यभूर,य.से.यंपु,५५५,प्रचेत्र,प्रचेत्र,प्रचे मी.शक्र्य,क्यांश,तप्रक्री,यप्र,यंचेर, नत्र के.मोबेट मो.प्र.ष्ट्र.र्याम कुटु से.पर्यंश की.म्री म्र.मच.कवाश नद्रावट प्रचट दे म्मार्यायि देश्यम्य व्याकेत तु पुर्या दिर्देश हिमा नियाय मुख्या सु है। है है तु मुख्य है। नवे तुः अ इअ पः भ्रे। गुक् अष्टिक वहेग्या केन कुं अर्के। ननवा अहा पङ्कित निर्मा सर्क्रमा मुत्य सर्वता हे भेषा रचा मुस्तर्के स्वावा ग्री हमा चरा दिए। हे दा ग्री पासु दाया भ्रेग्ययिः र्से्न्यायाः भ्रे सिया में या वा वा विषया <u> २६५ मु अर्की त्रु र्मि देन र्भे के एहेम्बा के ने ए देन प्राथ मु अर्के नरुष ग्री हरा घरः </u> षिमा निया के में में प्रचार मुं अर्देवि माशुर विराध पर विश्वापका में मार्च अपने प्रोक्त प्रमा देशक नहरायशर्त्वे श्वेर के व्यवस्थित स्थित स्थान के स्थान त्यार्केन निर्मेश में सम्बन्ध प्रायदिया के ब्रुच गुप्त क्षेट प्रायम के निर्मेद पर्देग के स् WC'ÀÇ'यर'@C'र्हेक्'यह्नद्र्य'त्तु'अर्द्वेदे'र्द्रअ'यर'य'युद्र'रेट'य्द्रेश'यर'तुश'हे। भ्रेते प्राप्तिया मिलेया स्ट्रामार्सेट में मालेया चीट्रा स्वाप्त मीच्या मिला प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप ग्रेट में मिंद्र र्वेर सुराय प्रमानिक रेर दर्शे रूट द्रा में मृत्र सासूर स्था दर्द श्रेश्वरायमः जेट्याय्या ले याः आर्थेन्यायाये देता द्वारमे बुटा द्वारा भ्रेमा यमः जेट्या स्राम्बर्यं पर्स्ता स्राम्बर्यं स्वाया त्राया क्ष्यं स्वाया क्षेत्र स्वाया स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय <u>२र्धे२.र्ह्न.लूटब्र.क्रिय.पश्चित.क्र्र्युट्र.क्र्यूट्र.च्रिय.पश्चित.स्था.यर.घता.श्रुट्रापर.क्रिय.</u> ন'মদাশ'র্মা |

#### सक्रम त्रमेथा

- ① 15@८ र्झें क न सूक या कु अर्कें वे माशुट वित्तु अर्थे द दिर्देश मात्रा प्राप्त के स्वार्थ के स्वार्य के स्वार्थ के स्वार्थ के स्व
- ② हे नर्द्र त्रें नवट र्द्ध विभयम् भर्दे निषट निष्ठ स्थायम् । त्रु न्यट प्रें त्र प्रेट के प्रेट प्रें
- अतुः न्यायदः मीर्याया मान्या स्वर्धे स्वर्धा न्या स्वर्धे द्वा मान्य स्वर्धे मुखा म्याय स्वर्धे मान्य स्वर्धे मुखा मान्य स्वर्धे स्वर्धे मान्य स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्ये स
- ७ तॅन्म्स्क्रीं व्रेट्यम्मान्द्राम्या
  कम तॅन्क्रिं स्थाने स्थान्या
  कम तॅन्क्रिं स्थाने स्थान्या

- ᠑ ५८.२७४२म् त्र्यात्रः स्त्रीय वात्रः त्रीय त्राया क्षाया क्षाया ५८.२००० स्त्रीय अहूर क्षाया वित्रः सूत्रः त्रीय स्त्रीय त्रीय स्त्रीय त्रीय स्त्रीय स्त्रीय
- चित्रक्र र्ड्य श्चेना प्रत्येश प्रश्चेना श्वर र्ड्य स्वाया र्ट्य स्वाया प्रश्चेत्र स्वाया प्रश्चेत्र स्वाया प्रश्चेत्र स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया स्वया
- 11. वट र्हेन नहन यामु अर्टेश अर्ट र यदे हु नगट नगा नैश रेन दगुना नैश आ
- 12. र्हे प्राची अ है विया वी सु धी एत् प्राची शु धिंदा प्राची है। वा सु पा कु प्राची विया की वा सु प्राची की व विष्ट क्षेत्र अर्केना एति प्राची स्थान की वा प्राची की स्थान की विवास की विवास की विवास की विवास की विवास की व
- 13. वियाधीर क्रिके वियाधीष्ट्राची बुराधी नेतु प्रसुराविषा वी सुराया बेरा
- 14. विश्व कमा भ्रुमा भे अ ते से मालुट मी भे लिमा भ्रे। गुत्र शावेत प्राले प्रश्ना कि से मालुट की मालु
- 16. सुमा अर्हेर आपत सुया भु सेट पिले पा भया प्रवार पिश्र पित के पित कि पित स्वार पित्र के पित कि पित से पित के पित के पित कि पित के पित के पित कि पि
- 17. ऍट्याणु द्रमे प्रमेशकेत र्या है प्रह्मा द्र्या कुष्य के अर्केमा है। 1933 में रार्य के से प्रिया के से प्रिया के से प्रिया के से प्रमास के प्र

प्रियाची स्वार्थियाची स्वार्थि

- 19. ବ୍ୟଞ୍ଜି प्रस्क प्रामु अर्की खुया र्से प्रमा १८ व्या स्ति प्रमा स्ति स्ति प्रमा स्ति प्रमा स्ति स्ति प्रमा स्ति स्ति स्ति स्ति स
- 20. विट र्झेन प्रमुन या मुर्गि अर्की क्षामा भन्न देना मार्थी प्राप्त कि स्वार्थी के स्वार